राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–prrajbhavan@gmail.com
मो॰–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

राज्यपाल से भारतीय विदेश सेवा के वरीय अधिकारियों ने शिष्टाचार मुलाकात की

पटना, 17 जुलाई 2018

महामहिम राज्यपाल श्री सत्य पाल मलिक से आज राजभवन पहुँचकर भारतीय विदेश सेवा के 1992 एवं 1993 बैच के तीन वरीय अधिकारियों ने फॉरेन सर्विस इंस्टीच्यूट (FSI) और विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित अपने 'Mid Career Training Programme-III' के तहत शिष्टाचार मुलाकात की। मुलाकात करनेवाले तीनों अधिकारी बिहार के मूल निवासी हैं। तीन अधिकारियों में से एक श्री अभय ठाकुर मॉरीशस में भारत के उच्चायुक्त हैं, दूसरे श्री संजीव रंजन अर्जेन्टीना में भारत के राजदूत हैं, जबकि तीसरे श्री संतोष झा अमेरिका में मिशन उपप्रमुख हैं।

शिष्टाचार मुलाकात के दौरान, राज्यपाल ने विदेश सेवा के इन वरीय अधिकारियों से कहा कि विदेशों में भारत के प्रतिनिधि के रूप में देश की प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कार्य करने के साथ–साथ, आपको 'Ambassadors of your state' के रूप में अपने राज्य के आर्थिक व व्यापारिक हितों, विदेशी निवेश, पर्यटकीय विकास, डायस्पोरा प्रोफाइल आदि की प्रगति के लिए भी सजग एवं तत्पर रहना चाहिए।

महामहिम राज्यपाल श्री सत्य पाल मलिक ने विदेश सेवा के इन वरीय अधिकारियों से कहा कि बिहार का इतिहास एवं सांस्कृतिक वैभव अत्यन्त गौरवमय रहा है। भारत के 'स्वर्ण युग' का इतिहास दरअसल बिहार का ही इतिहास रहा है। राज्यपाल ने कहा कि बिहार में उपजाऊ जमीन, पर्याप्त जल तथा परिश्रमी व प्रतिभावान मानव–संपदा है, जिसके बल पर राज्य तेजी से प्रगति कर रहा है। श्री मलिक ने कहा कि बोधगया, नालंदा, राजगीर, विक्रमशिला, मिथिलांचल, केसरिया, चम्पारण आदि कतिपय पर्यटन–स्थलों के प्रति विदेशी पर्यटकों में आकर्षण पैदा कर राज्य को आर्थिक रूप से सुदृढ़ किया जा सकता है। राज्यपाल ने भारतीय विदेश सेवा के इन अधिकारियों से कहा कि 'बिहार फाऊण्डेशन' के चैप्टर अपने संबंधित देशों में स्थापित कराते हुए वे मॉरीशस, अर्जेन्टीना एवं अमेरिका में रह रहे बिहारियों में अपने राज्य बिहार के प्रति अनुराग और प्रेम का भाव बढ़ा सकते हैं। इससे राज्य में उद्योग–धंधों, चिकित्सा आदि क्षेत्रों का विकास भी होगा।

लगातार....पृष्ठ...2 पर

श्री मलिक ने बिहार के 'छठ पर्व' की चर्चा करते हुए कहा कि यह आत्मशुद्धि और स्वच्छता से जुड़ा हुआ सूर्य की आराधना का एक अत्यन्त पवित्र पर्व है। दिल्ली एवं मुम्बई सहित भारत के अन्य कई प्रान्तों में रहनेवाले बिहारी समुदाय के लोगों ने 'छठ' को वहाँ भी लोकप्रिय बना दिया है। उन्होंने कहा कि छठ पर्व में बाहर से आनेवाले बिहारियों के लिए रेलवे कई अतिरिक्त ट्रेने परिचालित करती है। राज्यपाल ने कहा कि छठ पर्व, मधुबनी चित्रकला, भागलपुर के सिल्क उद्योग आदि का विदेशों में प्रचार–प्रसार कर न केवल बिहारी मूल के विदेशी लोगों, बल्कि विदेशी पर्यटकों को भी राज्य के प्रति आकर्षित किया जा सकता है।

राज्यपाल ने कहा कि विदेशों का दौरा करनेवाले भारतीयों के लिए भी समुचित प्रशिक्षण के साथ–साथ, उनका उस देश की संस्कृति, परम्पराओं ,सामान्य शिष्टाचारों और रीति–रिवाजों से परिचय जरूरी है। राज्यपाल ने उदाहरण के तौर पर कहा कि अरब देशों में अति महत्त्वपूर्ण व्यक्तियों से मुलाकात के दौरान 'पैर पर पैर चढ़ाकर बैठना' सामनेवाले की बेअदबी मानी जाती है। ऐसे सामान्य शिष्टाचारों की जानकारी विदेश दौरों पर जानेवाले भारतीयों को रहनी चाहिए।

महामहिम राज्यपाल को मॉरीशस में भारत के उच्चायुक्त श्री अभय ठाकुर ने बताया कि अपने पूर्वजों की भूमि बिहार और उत्तर प्रदेश के प्रति मॉरीशस के लोगों के दिल में बेहद श्रद्धा और सम्मान का भाव है। भोजपुरी संस्कृति, परंपराओं, पर्व–त्योहारों, गीत–संगीत–साहित्य आदि को वे अब भी जुगाये हुए हैं। उन्होंने कहा कि ईख की खेती में सुधार को लेकर मॉरीशस प्रयासरत है। उन्होंने मॉरीशस में 18 से 20 अगस्त, 2018 तक आयोजित होनेवाले 'विश्व हिन्दी सम्मेलन' के बारे में भी राज्यपाल को जानकारी दी।

अर्जेन्टीना में भारत के राजदूत श्री संजीव रंजन ने राज्यपाल को बताया कि आधुनिक कृषि के वैज्ञानिक तौर–तरीकों को लेकर यह देश बिहार के कृषि–विकास में सहयोग कर सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य में कृषि विश्वविद्यालयों के माध्यम से किसानों के प्रशिक्षण, नयी तकनीक के आयात आदि पर भी सोचा जा सकता है।

अमेरिका में मिशन उपप्रमुख श्री संतोष झा ने राज्यपाल को बताया कि अमेरिका में रहनेवाले बिहारी मूल के लोगों की बिहार की प्रगति में गहरी दिलचस्पी है और वे यहाँ के विकास में सहयोग को इच्छुक हैं। राज्यपाल ने 'बिहार फाऊण्डेशन' के विभिन्न चैप्टर अमेरिका के सभी मशहूर शहरों में स्थापित कराते हुए बिहार के प्रति अभिरूचि जगाने का सुझाव श्री झा को दिया।

राजभवन पहुँचे भारतीय विदेश सेवा के इन तीनों वरीय अधिकारियों को राज्यपाल ने मधुबनी पेंटिंग का 'अंगवस्त्रम्' प्रदान कर सम्मानित भी किया। इस शिष्टाचार मुलाकात के दौरान राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री विवेक कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

.....